पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के सम्मुख रखे चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

उ0प्र0 आज विकास के जिस पथ पर अग्रसर, उसके पीछे पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की सोच : मुख्यमंत्री

उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने राज्य के विकास की आधारशिला रखी

पं0 गोविन्द बल्लभ पंत के विजन का अनुसरण करते हुए आज उ0प्र0 भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना

राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन तथा प्रचार–प्रसार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

लखनऊ : 07 मार्च, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की पुण्यतिथि पर यहां लोक भवन स्थित उनकी प्रतिमा के सम्मुख रखे चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत माता के महान सपूत व प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की पुण्यतिथि है। वह एक कुशल अधिवक्ता और सुयोग्य प्रशासक थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और भारत के गृह मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं थी।

मुख्यमंत्री जी ने पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी ने राज्य के विकास की आधारशिला रखी। उन्होंने उस समय राज्य के विकास व रिफॉर्म के लिए अनेक कदम उठाए। पंत जी ने प्रदेश के विकास का जो विजन प्रस्तुत किया, आज उसी का अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना है। उत्तर प्रदेश आज विकास के जिस पथ पर अग्रसर है, उसके पीछे पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की सोच है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी का जन्म आज के उत्तराखण्ड राज्य में हुआ था। उस समय उत्तराखण्ड संयुक्त प्रान्त का हिस्सा था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के आह्वान पर पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने अपनी वकालत छोड़ दी और देश के स्वाधीनता आन्दोलन में शामिल हो गये। सन् 1937 में उनका चयन तत्कालीन संयुक्त प्रान्त के प्रीमियर के रूप में किया गया था। हम स्वतन्त्र भारत में संयुक्त प्रान्त तथा पहले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पंत जी का स्मरण करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन तथा प्रचार–प्रसार में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की महत्वपूर्ण भूमिका थी। स्वाधीनता आन्दोलन में उनकी भूमिका तथा उसके पश्चात देश व प्रदेश के विकास में उनके योगदान के लिए पं0 गोविन्द बल्लभ पंत को वर्ष 1957 में देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया। आज वह भौतिक रूप से हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनके कार्य और उनकी प्रेरणा हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

इस अवसर पर कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह ओलख, विधायक श्रीमती जय देवी, श्री योगेश शुक्ल एवं श्री अमरेश कुमार, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Pt. Govind Ballabh Pant Punyatithi-07 March, 2026